वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 287 | रविवार 12 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल सलाहकार मण्डल की बैठक

प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में समेकित दृष्टिकोण के साथ कार्य करने की आवश्यकता: राज्यपाल

उच्च शिक्षा, पर्यटन, कृषि और विधि क्षेत्र के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव | युवाओं को अर्थपूर्ण रोजगार प्राप्त करने योग्य बनाया जाए...

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए कृषि, पर्यटन, विधि, शिक्षा, उद्योग एवं रोजगार सहित सभी क्षेत्रों में समेकित दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रभावी रूप में कार्य किए जाने का आह्वान किया है। राज्यपाल मिश्र शनिवार को राजभवन में राज्यपाल सलाहकार मण्डल की बैठक में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सलाहकार मंडल के जरिए प्रदेश के स्थायी, संतुलित एवं चहुंमुखी विकास के लिए विचारों के आदान-प्रदान और सुझावों को व्यावहारिक रूप में लागू करने के लिए कार्य योजना तैयार करने की पहल की गई है। राज्यपाल ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विशेष प्रशिक्षण-प्रोत्साहन के द्वारा युवाओं को अर्थपूर्ण रोजगार प्राप्त करने योग्य कैसे बनाया जाए, यह आज के समय की महती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत और यहां की विपुल पर्यटन संभावनाओं का उचित दोहन करते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के प्रयास किए जाने चाहिए। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि प्रदेश में उनके कार्यकाल के दौरान राजभवन स्तर पर राज्यपाल राहत कोष के पुनर्गठन, रेडक्रॉस सोसायटियों को जिला स्तर पर जीवंत करने और स्काउट-गाइड संगठन को विशेष रूप से सक्रिय करने की पहल की गई है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावी विकास से जुड़े मुद्दों की मॉनिटरिंग के लिए राजभवन स्तर पर जनजातीय एकक की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों को संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से राजभवन में देश का पहला संविधान उद्यान निर्मित किया गया है। टीएमआई समूह के चेयरमेन टी. मुरलीधरन ने शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए उन्हें रोजगार योग्य बनाए जाने, उनकी कौशल अभिवृद्धि करने के साथ मानसिकता में बदलाव पर बल दिया।

विभिन्न पहलुओं पर प्राप्त हुए विचार

एचआरएच ग्रुप के कार्यकारी निदेशक लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि पर्यटन मानव संसाधन आधारित क्षेत्र है। इसमें सफलता के लिए शिक्षा एवं हुनर के साथ युवाओं के व्यक्तित्व को बेहतर बनाने और उन्हें मूल्यपरक शिक्षा देने की जरूरत है। वरिष्ठ अधिवक्ता आर. एन. माथुर ने कहा कि आमजन को विधिक साक्षर और जागरुक बनाने के लिए विधिक शब्दावली के सरलीकरण की दिशा में प्रयास किए जाने की जरूरत है। अर्थशास्त्री डॉ. मनोरंजन शर्मा ने लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए कृषि एवं इससे जुड़े क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने, उत्पादक समितियों के माध्यम से उन्हें उपज का अधिक मूल्य दिलवाने पर बल दिया।

डेल्फिक गेम्स ऑफ राजस्थान- शास्त्रीय व लोक नृत्य ने सबका मोहा मन, कंटेम्प्रेरी नृत्य देख झूमे उठे दर्शक

जयपुर. शाबाश इंडिया

डेल्फिक कॉन्सिल ऑफ राजस्थान द्वारा आयोजित डेल्फिक गेम्स ऑफ राजस्थान के तीसरे दिन जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार में शास्त्रीय नृत्य, कांटेम्प्रेरी डांस और लोक नृत्य की तीन विधाओं में नवोदित नृत्यकारों ने अपने डांस से दर्शकों में भी थिरकन उत्पन्न कर दी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात कत्थक नृत्यांगना अनीता हाड़िया थी। शास्त्रीय नृत्य विशेषज्ञ संगीता सिंघल, कंटेम्प्रेरी नृत्य विशेषज्ञ श्री बृजेश सक्सेना और लोक नृत्य की विशेषज्ञ अनिता प्रधान सहित तीन जजेज की जूरी के सामने तीनों श्रेणीयों के 18 से 35 आयु वर्ग के हुनरबाज युवा नृत्यकारों के नृत्य की एक से बढ़कर एक ऊर्जामयी प्रस्तुतियों को देखकर दर्शक भी झूम उठे। डेल्फिक गेम्स में शास्त्रीय नृत्य श्रेणी में राधिका अरोड़ा तथा द्वितीय पुरस्कार संगीता सेन, कंटेम्प्रेरी डांस में प्रथम पुरस्कार सोनू नायक और दूसरा पुरस्कार हिमानी शर्मा ने प्राप्त किया। इसी प्रकार लोक नृत्यों की श्रेणी में वैशाली सुरोलिया व ग्रुप विजेता रहे और दूसरा पुरस्कार रुनझुन घोष को दिया गया। इस अवसर पर काउंसिल की अध्यक्षा वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं प्रमुख शासन सचिव सहकारिता विभाग श्रेया गुहा ने प्रतिभागियों की हौसला अफजाई करते हुए बताया कि डेल्फीक काउंसिल कला के माध्यम से सभी को जोड़ने का प्रयास कर रही है व इसी के तहत क्षेत्रीय स्तर पर पहली बार इस तरीके की प्रतियोगिता का आयोजन डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान के द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न श्रेणीयों में प्रतिभागी विजेताओं को उपस्थित अतिथियों ने सम्मानित किया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा वेलेन्टाइन कार्यक्रम आज 12 फरवरी को

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा वेलेन्टाइन कार्यक्रम 12 फरवरी को सांगानेर एयरपोर्ट के पास स्थित चीलगाड़ी रेस्टोरेंट मे आयोजित किया जायेगा। ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि लाईव म्यूजिक बेंड के साथ वेलेन्टाइन थीम पर यह आयोजन साय 4 बजे से आयोजित किया जायेगा। कार्याध्यक्ष मनीष-शोभाना लोंग्या ने बताया कि कार्यक्रम के लिये सुनील - सुनीता गोदिका व राजेश - रीतू छाबड़ा को समन्वयक तथा सुधीर - अलका गोधा व राकेश - नीरा लुहाडिया को सयोजक बनाया गया है।

नेटथियेट पर साकार हुआ कथक

तनिष्का के नृत्य में दिखी कथक की बारीकियां

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज इन्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कथक डांस जयपुर घराने की युवा कथक नृत्यांगना तनिष्का मुदगल ने अपने भावपूर्ण कथक नृत्य से जयपुर कथक की बारीकियों को दर्शाया। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कथक गुरू श्रीमती श्वेता गर्ग की शिष्य तनिष्का मुदगल ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना या कुंदेंदु तुषार हार धवला से की ' इसके बाद शुद्ध कथक ताल, रूपक, थाट, आमद, मिश्र जाति की परण, सदा तोडे, चक्करदार तोडा, कवित्त लडी की प्रस्तुति से जयपुर कथक को साकार किया। अंत में तराना दिम ता ता नुम दिम ता देरे ना से कार्यक्रम को विराम दिया। तनिष्का के नृत्य में लयकारी, ताल एवं भाव की स्पष्ट झलक देखने को मिली।

निविद जैन को खेल में मिले तीन पदक

जयपुर. शाबाश इंडिया। शहर के सुपर किड्स स्कूल, मालवीय नगर मे वार्षिक स्पोर्ट्स डे का आयोजन किया गया।आयोजित कार्यक्रम में 14 वां वार्षिक स्पोर्ट्स डे मे निविद जैन को तीन पदक प्राप्त हुए जिनमें स्टक द कोन रेस मे द्वितीय और रिले रेस एवं ड्रॉप द बॉल रेस मे तृतीय स्थान प्राप्त किया। जैन के पदक जीतने पर युवा समाजसेवी अमन जैन कोटखावदा सहित काफी संख्या में निविद को बधाई व शुभकामनाएं दी।

अग्रवाल कॉलेज में इंटर हाउस कार्यक्रम के तहत

विधार्थियो ने "फूड विदाउट फायर" मे विभिन्न व्यंजनों की लगाई स्टॉल

शाबाश इंडिया/अमन जैन कोटखावदा

जयपुर। सांगानेरी गेट स्थित अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में इन्टर हाउस कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियों ने "**फूड विदाउट फायर**" में विभिन्न व्यंजनों की स्टालें लगाई। इस कार्यक्रम में श्री अग्रवाल शिक्षा समिति के लेखाधिकारी मनीष मित्तल, संतोष कुमार गुप्ता, नितिन कासलीवाल, राहुल पारीक, रोहित गर्ग आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने बिना आग से व्यंजन बनाकर ऊर्जा की बचत के साथ उच्च पोषण स्तर का संदेश दिया। अन्त में प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार सिंघल ने बेस्ट फूड स्टॉल के लिए विनीता सैन, कविता पथरिया, आयुषी जैन, मनीषा सांवरिया, राहुल कुमार, दीपा आलोरिया, स्वाति बंसल, धन्नजय आसीवाल, अमन गुप्ता, रेखा यादव, अंजली कटारिया, योगिता चोरडिया, माया शर्मा, कैलाश को पुरस्कृत किया।

पूज्य समकितमुनिजी म.सा.रविवार को पहुंचेंगे शाहपुरा, भीलवाड़ा शहर में प्रवेश 15 फरवरी को

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। वर्ष 2022 का एतिहासिक चातुर्मास भीलवाड़ा शांतिभवन में करने वाले श्रमण संघीय सलाहकार भीष्म पितामह पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगममर्मज्ञ, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शनिवार को फिर भीलवाड़ा जिले को पावन किया। उदयपुर होली चातुर्मास के लिए विहारयात्रा पर निकले पूज्य समकितमुनिजी म.सा. प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. एवं गायनकुशल जयवंतमुनिजी म.सा. आदि ठाणा शनिवार को भराई से विहार कर भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा क्षेत्र के बच्छखेड़ा गांव पहुंच गए। मुनिश्री रविवार सुबह बच्छखेड़ा से विहार कर माताजी का खेड़ा होते हुए शाहपुरा नगर में पहुंच जाएंगे। शाहपुरा में उनका प्रवास रामनगर स्थित लाड़ स्वाध्याय भवन में रहेगा। शाहपुरा से सोमवार सुबह भीलवाड़ा की दिशा में विहार करेंगे। बच्छखेड़ा में भी उनके दर्शनों के लिए भीलवाड़ा आदि स्थानों से कई श्रावक-श्राविकाएं पहुंचे।

जवाहर नगर गुरमत समागम में आज (12फरवरी) 28 सिख बच्चे सम्मानित होंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

सिख समाज की अग्रणी संस्था कौन बनेगा गुरसिख बच्चा (केबीजीबी) द्वारा आयोजित 'द सिख टैलेंट हंट'' के तहत 28 मेधावी सिख बच्चे-बच्चियों का चयन किया गया है। इन बच्चों नें शैक्षणिक स्तर पर अव्वल प्रदर्शन किया है और खेलों में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया और पुरस्कार जीते। इवेंट संयोजक सरदार जसबीर सिंह ने बताया कि सिख कौम और राजस्थान का गौरव बढ़ाने वाले इन सिख बच्चों को जवाहर नगर में चल रहे महान गुरमत समागम में कल 12 फरवरी, दोपहर 1बजे सम्मानित किया जाएगा। चयनित सभी बच्चे अपने सिर पर पगड़ी सजा कर और बच्चियां सलवार कमीज और चुन्नी औढ़ कर समागम में शिरकत करेंगी।

मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने कहा...

छोटे स्थान पर भी तीर्थ बन सकता है

बानपुर में हुआ मुनि संघ का मंगल प्रवेश

रविवार को होगा मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज का टीकमगढ़ प्रवेश

ललितपुर. शाबाश इंडिया

छोटे स्थान पर भी तीर्थ बन सकता है जरूरी नहीं कि बड़ा शहर और स्थान हो। अभी ललितपुर में बहुत बड़ा आयोजन था बड़ी समाज थी छोटे स्थान पर भी आप चाहें तो अच्छा मन्दिर बन सकता इसके लिए इच्छा शक्ति की आवश्यकता रहती है । धर्म कार्य में तो उत्साह बन रहें तो सब होता है हम क्रोध और कषाय तो करते हैं ऐसे धर्म कार्य नहीं करते कष्ट भी कंडे की अग्नि के समान होती है जो बहार से तो शान्त दिखती लेकिन अंदर ही अंदर धधकती रहतीं हैं कषाय भी ऐसी ही होती है उक्त आश्य केउद्गार मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने बानपुर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

बानपुर तीर्थ में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक श्रमणमुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज मुनिश्री पूज्य सागरजी महाराज ऐलक श्री धैर्य सागरजी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ का आज शाम को बानपुर तीर्थ में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इसके पहले रात्रि विश्राम के बाद विहार कर आहार चर्या हुयी। शाम को अतिशय क्षेत्र बानपुर में संघ सहित भव्य मंगल प्रवेश किया। टीकमगढ़ शहर में आदिनाथ धाम त्रिकाल चौबीसी का पंचकल्याणक महोत्सव 17 फरवरी से 23 फरवरी तक होने जा रहा है श्री 1008 मज्जिनेंद्र पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ निर्यापक मुनि श्री 108 सुधा सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में संपन्न होगा। प्रातः 6:00 मुनि संघ का

विहार बानपुर उत्तर प्रदेश से टीकमगढ़ के लिए होगा टीकमगढ़ में मुनि संघ की 8:30 से अगवानी शुरू होगी।

रविवार को मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी का टीकमगढ़ प्रवेश

महोत्सव के मीडिया संयोजक प्रदीप जैन बम्होरी ने बताया कि टीकमगढ़ शहर में प्रथम बार निर्यापक मुनि श्री108 सुधा सागर जी महाराज का आगमन रविवार को प्रातः 8:30 से होने जा रहा है टीकमगढ़ शहर की वीर व्यायामशाला को अगवानी की जिम्मेदारी दी गई है ।साथ में टीकमगढ़ शहर की 25 महिला मंडल मुख्य रूप से अगवानी में अपना सहयोग करेंगी। मुनि श्री 108 सुधा सागर जी महाराज का दीक्षा के बाद अधिकांश चातुर्मास एवं प्रवास राजस्थान में रहा। मुनि श्री सुधासागर जी महाराज का टीकमगढ़ नगर में प्रथम बार आगमन हो रहा है। मुनि श्री पिछले 8 माह से ललितपुर उत्तर प्रदेश में विराजमान थे। मुनि संघ की अगवानी के लिए पूरे शहर की सज्जा की गई है। नंदीश्वर कॉलोनी को दुल्हन की तरह सजाया गया है।

श्री मुनिसुव्रत नाथ भगवान के मोक्ष कल्याण महा मस्तकाभिषेक एवं रथयात्रा महोत्सव अतिशय क्षैत्र सूथडा पत्रिका का प.पू. विज्ञाश्री माताजी ने किया विमोचन

मोहन सिंहल. शाबाश इंडिया

निवाई। पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन मुनिसुव्रतनाथ सुखोदय अतिशय तीर्थक्षेत्र सूंथडा (राजस्थान) में श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान मोक्षकल्याणक महामस्तकाभिषेक व विशाल रथयात्रा महोत्सव की पत्रिका का विमोचन हुआ। पत्रिका का विमोचन क्षेत्र के अध्यक्ष महावीर पराणा, मंत्री कजोडमल सर्राफ, ताराचंद गोयल, विमल झिलाई, सुनिल भाणजा व सत्यनारायण मोटुका वालों ने किया। विमोचन के पश्चात पूज्य गुरु मां को कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पत्रिका भेंट की गई।

उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज का मंगल विहार रविवार 12 फरवरी को

पारस विहार मुहाना मंडी मे होगा सिद्ध चक्र विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया। रविवार दिनांक 12 फरवरी 2023 को उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज का मंगल विहार प्रताप नगर से पारस विहार मुहाना मण्डी के लिए (अष्टानिका पर्व पर सिद्धचक्र मण्डल विधान हेतु)होने जा रहा है, चुकी प्रताप नगर सेक्टर 8 में उपाध्याय श्री के मंगल सानिध्य में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न हुआ और महोत्सव के उपरांत उपाध्याय श्री का प्रथम विहार है इसलिए प्रताप नगर सेक्टर 8 मंदिर से जुड़े समाज के प्रत्येक परिवार से विहार में सहभागिता अपेक्षित है।

मंगल विहार कार्यक्रम

दिनांक 12 फरवरी रविवार

धर्मसभा दोपहर 3:00 बजे (मां विशुद्ध संत भवन, प्रताप नगर)

चौमू बाग सांगानेर हेतु मंगल विहार सायंकाल 4:00 बजे से

दिनांक 14 फरवरी 2023, मंगलवार

दोपहर 3:30 बजे चौमू बाग से एस.एफ. एस. मानसरोवर मंदिर के लिए विहार।

दिनांक 15 फरवरी 2023 बुधवार दोपहर 3:30 बजे से एस.एफ. एस. मानसरोवर जैन मंदिर से पारस विहार, मुहाना मण्डी जैन मंदिर के लिए मंगल विहार होगा।

विशेष :

दिनांक 27 फरवरी से 7 मार्च तक अष्टानिका पर्व पर पारस विहार मुहाना मण्डी में पूज्य उपाध्याय श्री के सानिध्य में श्री सिद्धचक्र मण्डल विधान का आयोजन होगा, वही दिनांक 5 मार्च को वात्सल्य रत्नाकर आचार्य 108 विमल सागर जी मुनिराज का दीक्षा दिवस समारोह आयोजित होगा।

वेद ज्ञान

कर्म का महत्व बेहद खास...

अधिकांश लोग भौतिक शरीर और मन के कार्यकलापों में व्यस्त रहते हैं। जो लोग ऐसे कार्यकलापों की निम्नतम अवस्था में हैं उनमें से विरले ही आध्यात्मिक स्तर को समझ सकते हैं। ये लोग सामान्यतया भ्रम में रहते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि उनके पाप और पुण्य के विविध कार्य इंद्रियतृप्ति के आचरण के माध्यम से नश्वर शरीर के सुख की वृद्धि पर केंद्रित होते हैं। भौतिक विज्ञानी भौतिक इंद्रियों को (जिनमें आंख, नाक, कान, त्वचा, जीभ और मन सम्मिलित है) तुष्ट करने के लिए अनेक विषयों को खोज निकालते हैं। इस तरह यह वैज्ञानिक भौतिक सुखों को बढ़ाने के लिए परोक्ष रूप से अनावश्यक स्पर्धा का क्षेत्र तैयार कर देते हैं जिससे सारा विश्व अनावश्यक क्लेश के भंवर में फंस जाता है। इसका परिणाम होता है विश्वभर में अभाव। यहां तक कि जीवन की सामान्य आवश्यकताएं- रोटी, कपड़ा और मकान- भी विवाद की वस्तुएं बन जाती हैं। इस तरह ईश्वर प्रदत्त सादा जीवन और उच्च विचार की परंपरागत जीवन-शैली में सभी प्रकार के व्यवधान आ जाते हैं। जो व्यक्ति ऐसे स्थूल भौतिकतावादियों से कुछ ऊपर हैं, वे मृत्यु के बाद के जीवन होने में दृढ़ विश्वास रखते हैं और फलस्वरूप वे स्थूल इंद्रिय-भोग के मौजूदा जीवन स्तर से कुछ ऊपर उठने का प्रयास करते हैं। वे पुण्यकर्म करके अगले जीवन के लिए कुछ पुण्य संचित करने का प्रयास करते हैं। जिस तरह कोई व्यक्ति भावी सुख के लिए बैंकों में कुछ धन जमा करता है, किंतु ये लोग यह नहीं समझ पाते कि पुण्य कर्मों को करने से भी कोई व्यक्ति कर्म के बंधन से छूट नहीं सकता। न तो पापी और न ही पुण्यात्मा और भौतिकतावादी यह समझता है कि सदैव प्रतिकूल कर्म-बंधन से मुक्ति पाने के लिए कर्मयोग ही एकमात्र साधन है। इसलिए दक्ष कर्मयोगी और आसक्त भौतिकतावादी जैसा भी आचरण करता है, किंतु साथ ही साथ वह अपने कर्मफल को भगवान को भी अर्पित करता रहता है जिससे सामान्य लोगों को यह शिक्षा मिले कि सामान्य कार्य को करते हुए भी कर्म और कर्मफल के बंधन से किस तरह निकला जा सकता है। इस प्रकार स्वयं कर्मयोगी को और संपूर्ण जगत को एक साथ लाभ होता है।

संपादकीय

लुप्तप्राय जीवों को बचाने में क्यों नहीं मिल रही कामयाबी?

वन्य जीव संरक्षण के लिए बनाए गए पार्कों, अरण्यों आदि को सैर-सपाटे की जगह बना देने ही का नतीजा है कि लुप्तप्राय जीवों की प्रजातियों को बचाने में कामयाबी नहीं मिल पा रही। इस तथ्य से पर्यावरण मंत्रालय अनजान नहीं है। मगर फिर भी कानूनों में बदलाव करके अभयारण्यों में चिड़ियाघर और सफारी शुरू करने की मंजूरी दे दी गई। पिछले साल जून में पुराने कानून में बदलाव करते हुए पर्यावरण मंत्रालय ने बाघ अभयारण्यों और दूसरे वन्यजीव संरक्षण के लिए बने अरण्यों और पार्कों के फैलाव वाले इलाकों में चिड़ियाघर और सैर-सपाटे के लिए खोलने की मंजूरी दे दी। इस पर सर्वोच्च न्यायालय ने विशेष अधिकार प्राप्त समिति का गठन किया था। उस समिति ने सिफारिश की है कि अभयारण्यों और वन्यजीव संरक्षण पार्कों के फैलाव वाले इलाकों में ऐसी गतिविधियों की मंजूरी तुरंत वापस ली जानी चाहिए। इन फैलाव वाले इलाकों में केवल घायल या बीमार वन्यजीवों के उपचार आदि के लिए गतिविधियां शुरू की जा सकती हैं। खासकर बाघों के संरक्षण को लेकर इसमें अधिक चिंता जताई गई है, क्योंकि उनके संरक्षण को लेकर अब तक किए गए प्रयास विफल ही साबित हुए हैं। मानवीय गतिविधियों का उनके जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यह छिपा नहीं है कि तमाम अभयारण्यों के भीतर और उनके फैलाव वाले इलाकों में सैर-सपाटे को बढ़ावा देने के मकसद से चोरी-छिपे अनेक प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जाती हैं। बहुत सारे अभयारण्यों में मोटेल, विश्राम गृह, रेस्तरां और जलसे आदि के लिए जगहें बना दी गई हैं, जिनमें पूरे साल कुछ न कुछ गतिविधियां चलती रहती हैं। इन अभयारण्यों की तरफ सैलानियों को आकर्षित करने के लिए विज्ञापन तक दिए जाते हैं। कई जगह सफारी शुरू की गई है। यानी गाड़ियों में बिठा कर सैलानियों को उन वनों में विहार कराया जाता है। चिड़ियाघर खोलने की इजाजत देने के पीछे भी मकसद यही है कि इससे सैलानियों को आकर्षित किया जा सकता है। अभयारण्य और वन्यजीव पार्क पर्यटन को बढ़ावा देने का कारगर माध्यम साबित होते हैं। इसलिए सरकारें राजस्व के लोभ में ऐसी जगहों पर पर्यटन संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। मगर इन गतिविधियों के चलते वन्यजीवों के स्वाभाविक जीवन पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इससे उनकी प्रजनन क्षमता घटती और कई बीमारियां घेर लेती हैं। वन्यजीव अंगों की तस्करी करने वालों की भी इस तरह अभयारण्यों में घुसपैठ आसान हो जाती है। इसलिए वन्यजीवों के लिए काम करने वाली संस्थाएं और विशेषज्ञ लगातार कहते रहे हैं कि अभयारण्यों के आसपास व्यावसायिक गतिविधियां नहीं चलाई जानी चाहिए। अभयारण्यों में होटल, मोटेल, रेस्तरां, जलसाघर, विश्रामगृह, सफारी आदि खुलने से वहां हर समय वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। रात को भी तेज रोशनी होती और जलसों में बजने वाले तेज संगीत आदि से वन्यजीवों का स्वाभाविक जीवन प्रभावित होता है। वे हर समय एक प्रकार के भय में जीते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आतंक का साथ...

आतंकवाद के मसले पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कठघरे में खड़ा किए जाने के बाद पाकिस्तान को करना यह चाहिए था कि वह अपने रवैए में बदलाव करे, ताकि उसकी छवि में सुधार हो। लेकिन ऐसा लगता है कि पाकिस्तान हर वक्त कोई न कोई ऐसी गतिविधि जारी रखना चाहता है, जिससे वह भारत के लिए परेशानी पैदा कर सके और साथ ही अपनी जनता का ध्यान असली समस्याओं से बंटाए रख सके। अब तक उसका मुख्य हथियार आतंकवादियों और उनके संगठनों को पनाह देना रहा है, जिनके जरिए वह अक्सर भारत में आतंक का माहौल बनाए रखना चाहता है। लेकिन इस मोर्चे पर भारत ने जिस तरह चौकसी बरती है, उसकी वजह से आतंकियों ने भले अपनी हरकतें जारी रखी हैं, मगर उन्हें अपने पांव पसारने में कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिली सकी है। साथ ही आए दिन सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में आतंकी मारे जाते हैं। खासतौर पर जब से कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाया गया, उसके बाद वहां आतंकवाद के खिलाफ एक तरह से स्पष्ट नीति पर अमल किया जा रहा है। जाहिर है, अब आतंकी संगठनों का दायरा और प्रभाव कम होना शुरू हो गया है। इसी क्रम में आतंकवादी संगठनों और पर्दे के पीछे से उन्हें संचालित करने वालों के सामने एक मुश्किल यह पेश आ रही है कि उन्हें अब स्थानीय आबादी का साथ नहीं मिल पा रहा है। इसकी मुख्य वजह यही है कि कश्मीर के लोग अब तक के तनावपूर्ण माहौल और उसके नुकसान के बारे में पहले के मुकाबले ज्यादा व्यावहारिक तरीके से सोच-समझ रहे हैं। यानी एक तरह से वहां का समाज एक नए ताने-बाने की ओर बढ़ रहा है। शायद यही वजह है कि प्रत्यक्ष आतंकवाद की रणनीति पर वैश्विक स्तर पर मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान ने अब नए चेहरे में छद्म-युद्ध का सहारा लेने का रास्ता अख्तियार किया है। इस संदर्भ में भारत में सेना के एक वरिष्ठ कमांडर ने मंगलवार को कहा कि कश्मीर में नार्को आतंकवाद चिंताजनक स्तर पर रफ्तार पकड़ रहा है। इसके पीछे मुख्य वजह यह है कि पाकिस्तान अब मादक पदार्थों की तस्करी और उसके प्रसार को जम्मू-कश्मीर में अपने छद्म युद्ध में एक नए हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। दरअसल, हाल के दिनों में पाकिस्तान से लगे सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन के जरिए हथियार भेजने के कुछ मामले पकड़ में आए थे। अब अन्य स्रोतों के अलावा पाकिस्तान ड्रोन से मादक पदार्थ भी भेजने की दोहरी रणनीति अपना रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है कि मादक पदार्थों की तस्करी से लेकर नशे की जद में आया व्यक्ति और समाज किस तरह दिशाहीन हो जाता है और फिर उसकी गतिविधियां भी उसी मुताबिक संचालित होने लगती हैं। कहा जा सकता है कि पाकिस्तान अब मादक पदार्थों को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करके स्थानीय स्तर पर समाज के उस ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है, जो अब नई राह की ओर बढ़ रहा था। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान किसी न किसी रास्ते भारत को नुकसान पहुंचाने की सुचिंतित रणनीति पर चल रहा है ! या फिर वह ऐसी हरकतों से अपने यहां अर्थव्यवस्था की डांवाडोल स्थिति के बीच व्यापक महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ती गरीबी जैसी उन समस्याओं पर पर्दा डालने की कोशिश में है, जिनकी वजह से पाकिस्तानी जनता का जीवन दूभर होता जा रहा है।

महावीर पब्लिक स्कूल में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों की विदाई हेतु आशीर्वचन समारोह का आयोजन

कार्यक्रम के आरंभ में 11वीं कक्षा के छात्रों ने 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा बोर्ड परीक्षा में उनकी सफलता की कामना की

जयपुर. शाबाश इंडिया

शनिवार 11 फरवरी को महावीर पब्लिक स्कूल में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों की विदाई के लिए आशीर्वचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में 11वीं कक्षा के छात्रों ने 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा बोर्ड परीक्षा में उनकी सफलता की कामना की। संस्था के अध्यक्ष उमराव मल संघी,मानद् मंत्री सुनील बख्शी, उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पांड्या, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया, कार्यकारिणी सदस्य मनीष बैद, विनोद कुमार कोटखावदा, राजेंद्र कुमार बिलाला, संयोजक एस एम डी जे पी सी छाबडा एवं विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने मां सरस्वती व भगवान महावीर के चित्र के समक्ष प्रार्थना-गीत के साथ दीप प्रज्वलित किया। तत्पश्चात विद्यालय के मानद् मंत्री सुनील बख्शी ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत- उद्बोधन किया। समारोह में कक्षा 11 के छात्र-छात्राओं ने गायन-नृत्य आदि रंगारंग प्रस्तुतियों से सभासीन सभी सदस्यों का मन मोह लिया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने 12वीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों को भावभीन विदाई संदेश देते हुए सभी को अपने जीवन में ऊंचाइयों को प्राप्त करने व कभी भी अपने संस्कार और मानवीयता को न भूलने की शपथ दिलवाई।12वीं कक्षा के छात्र अब्दुल हादी व अवधि जैन ने विद्यालय से जुड़े अपने भावनात्मक अनुभव साझा किए। संस्था के सभी सदस्यों द्वारा 12वीं कक्षा के छात्रों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। स्कूल के हेड बॉय ध्रुव कसेरा द्वारा भाषण दिया गया। संस्था के अध्यक्ष उमराव मल संघी द्वारा 12वीं कक्षा के सभी छात्रों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिषद् के 12वीं कक्षा के छात्रों द्वारा बहुत ही सुनियोजित ढंग से फ्लैग मार्च किया गया तथा 11वीं कक्षा के छात्रों को फ्लैग हस्तांतरित करके विद्यालय परिषद् की जिम्मेदारी उनके हाथों में सौंपी। विद्यालय की हेड गर्ल इशिता गोस्वामी द्वारा सभी को धन्यवाद दिया। राष्ट्रगान के बाद 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भारत के नक्शे की रंगोली को मोमबत्तियां द्वारा प्रकाशित करके संपूर्ण भारत में विद्यालय का नाम रोशन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया तथा वर्धमान सभागार में मध्याह्न भोजन के लिए आमंत्रित किया।

Happy Anniversary
श्री सुशील - सरिता कासलीवाल
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के सम्मानित सदस्य

12 फरवरी
को वैवाहिक वर्षगांठ की
बहुत-बहुत बधाइयां
मोबाइल: 9314501975
शुभकामनाओं सहित
संजय छाबड़ा 'आवा' अध्यक्ष
प्रदीप जैन संस्थापक अध्यक्ष
अनुज जैन सचिव
समस्त जैन सोश्यल ग्रुप महानगर परिवार

जनकपुरी में सहस्त्रकूट जिनालय का छटा स्थापना दिवस 12 फ़रवरी को

गणिनी आर्यिका गौरव मति माताजी की परिकल्पना और आचार्य प्रसन्न सागर के दिए सूर्यमंत्रो से निर्मित वीतराग साधना का शाश्वत धाम सहस्त्रकूट जिनालय में 12 फरवरी को सहस्त्रनाम मंडल विधान पूजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान की हृदय स्थली गुलाबी नगर जयपुर में श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जनकपुरी ज्योति नगर के प्रथम तल पर वर्ष 2018 में एक अतुलनीय स्वर्ण आभा युक्त स्तुपाकार दर्शनीय सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण गणिनी आर्यिका गौरव मति माताजी की परिकल्पना का साकार रूप है। यह आत्म कल्याण की प्रेरणा लेने, विषय कषायो से रूचि कम करने, आदर्श पथ पर चलने और परिणामो में निर्मलता हेतु मोक्ष मार्ग पर उन्मुख होने के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का स्त्रोत्र बन गया है। 31 फीट गोलाई तथा 16 फीट ऊँचाई के स्तूपकार सहस्त्र कूट जिनालय का विशाल गुम्बज और 1008 मुर्तिया के चारों और मनभावन सुनहरी चित्रकारी , चमचमाती लाइट्स, वगार्कार आकर में चौषठ चँवर, सामने घण्टा, अखण्ड ज्योति, शिखर पर मंगल कलश शोभायमान है।सभी 1008 जिन बिम्बो की सुरक्षा पारदर्शी कवर द्वारा की गई है । आध्यात्मिक जगत में साधना महोदधि, अद्भुत सिंहनिष्क्रीडित व्रत उत्कृष्ट तप मौन साधक अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी ससंघ व आर्यिका गौरव मति माताजी ससंघ के सानिध्य तथा प्रतिष्ठाचार्य प. धर्म चन्द शास्त्री के मार्ग दर्शन में 7 फरवरी से 12 फरवरी2018 तक ऐतिहासिक पंचकल्याणक आयोजित हुआ. जैन समाज हमेश याद रखेगा वह दृश्य जब आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी व मुनि श्री पीयूष सागर जी ने सूर्यमन्त्र से युक्त अष्ट धातु की सोने सी चमक वाली 1008 जिन प्रतिमाओं को स्वयं ने दिन रात एक कर के जिनालय में बने 1008 नियत स्थानों पर मूर्तियों को विराजमान किया और बना दिया उस नव स्वरूपी स्तूप को स्वर्ण आभा युक्त सहस्त्र कूट जिनालय। इन दिव्य स्वरुप दिव्य चेतना सात्विक ऊर्जा के केन्द्रो को जिसको देखने और दर्शन करने के लिए जयपुर आने वाला हर भक्त दर्शन करना चाहता है। प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष पदम बिलाला ने बताया की परम हर्ष का विषय है की सहस्त्रकूट जिनालय का छटा स्थापना दिवस 12 फरवरी को है। आज स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर मालपुरा के राजाबाबू सेठी द्वारा सुमधुर भक्ति संध्या सजाई गयी. कल 12 फरवरी को पंडित शिखर चन्द जैन द्वारा सहस्त्रनाम मंडल विधान के अलावा 1008 नामो के अर्घ्य चढ़ाये जाएंगे और जैन पाठशाल के बच्चो को पुरुस्कृत किये जाएगा।

नेहरु नगर के श्री सीताराम मंदिर में भागवत कथा

हमेशा प्रेम की भाषा बोलिये: गोविन्द भैया महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेहरू नगर स्थित श्री सीताराम जी मंदिर में चल रहे श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ के छठवें दिन शनिवार को भक्तों ने को माखन चोरी,बाललीला प्रसंग की कथा सुनी। इस दौरान गोर्वधन की पूजा हुई और 56 भोग सजाया गया। इस मौके पर व्यास पीठ से वृंदावन के परम पूज्य गोविन्द भैया ने कहा कि जहां स्वार्थ समाप्त होता है मानवता वहीं से प्रारम्भ होती है मानव योनि में जन्म लेने मात्र से जीव को मानवता प्राप्त नहीं होती। यदि मनुष्य योनि में जन्म लेने के बाद भी उसमें स्वार्थ की भावना भरी हुई है, तो वह मानव होते हुए भी राक्षसी वृत्ति की पायदान पर खड़ा रहता है। यदि व्यक्ति स्वार्थ की भावना को त्याग कर हमेशा परमार्थ भाव से जीवन यापन करे तो निश्चित रूप से वह एक अच्छा इंसान है, यानि सुदृढ़ मानवता की श्रेणी में खड़ा होकर पर सेवा कार्य में रत है, क्योंकि परमार्थ की भावना ही व्यक्ति को महान बनाती है। परमात्मा श्री कृष्ण की लीलाओं में पूतना चरित्र पर व्याख्यान देते हुए कहा कि कंस स्वयं को सब कुछ समझ लिया। हमसे बड़ा कोई न हो। जो हमसे बड़ा बनना चाहे या हमारा विरोधी हो उसको मार दिया जाय। ऐसा निश्चय कर ब्रज क्षेत्र में जितने बालक पैदा हुए हो उनको मार डालो, और इसके लिये पूतना राक्षसी को भेजा तो प्रभु श्री बालकृष्ण भगवान ने पूतना को मोक्ष प्रदान किया।माखन चोरी लीला प्रसंग पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए आचार्य श्री ने कहा कि दूध, दही, माखन को खा-खाकर कंस के अनुचर बलवान होकर अधर्म को बढावा दे रहे थे, इसलिए प्रभु ने दूध, दही, माखन को मथुरा कंस के अनुचरों के पास जाने से रोका और छोटे-छोटे ग्वाल-बालों को खिलाया जिससे वे ग्वाल-बाल बलवान बनें और अधर्मी कंस के अनुचरों को परास्त कर सकें। भगवान श्री कृष्ण ग्वाल-बालो से इतना प्रेम करते थे कि उनके साथ बैठकर भोजन करते-करते उनका जूठन तक मांग लेते थे। महाराज श्री ने कहा कि हम जीवन में वस्तुओं से प्रेम करते है और मनुष्यों का उपयोग करते है। ठीक तो यह है कि हम वस्तुओं का उपयोग करें और मनुष्यों से प्रेम करें। इसलिये हमेशा से प्रेम की भाषा बोलिये जिसे बहरे भी सुन सकते हैं और गूंगे भी समझ सकते है। प्रभु की माखन चोरी लीला हमें यही शिक्षा प्रदान करती है। इस मौके पर कथा के आयोजक रामस्वरूप पाटाणी,सुधीर-सोनू नाटाणी व सुनील-शालू नाटाणी ने श्रीमद भागवत की आरती उतारी व पूजन की।

सिंधी समाज के 28 जोड़ों का सामूहिक विवाह आज गीता भवन में

जयपुर. शाबाश इंडिया

सिंधु वेलफेयर सोसायटी, जयपुर के तत्वावधान में स्थानीय आदर्श नगर के गीता भवन में रविवार को सिंधी समाज के 28 जोड़ों का सामूहिक विवाह होगा। अध्यक्ष हरगुण दास नेभनानी ने बताया कि इस मौके पर समारोह की अध्यक्षता केबिनेट मंत्री ममता भूपेश होंगी,जबकि समारोह के मुख्य अतिथि वीटो स्विचगियर्स एंड केबल्स लिमिटेड के एमडी मोहन गुरनानी, प्रमुख विशिष्ठ अतिथि राजस्थान समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष अर्चना शर्मा, पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा,विषिष्ठ अतिथि साध्वी तरूणा, नारायणदास गुरनानी, भैरूमल शेवकरामानी, एडवोकेट तुलसी त्रिलोकानी, संतोष मोटवानी,

केके खिलवानी, एडवोकेट चन्द्र प्रकाश खेतानी व बसंत माधवानी होंगे। समारोह के तहत दोपहर 12.15 बजे पल्लव प्रार्थना होगी। प्रथम पूज्य गणेश जी महाराज और भगवान झूलेलाल जी की आराधना कर नवयुगलों के सुखी जीवन की प्रार्थना की जाएगी। महासचिव अशोक टेवानी ने बताया कि दोपहर 2 बजे बारात रवाना होगी, साईं पुरसुनाराम साहिब मंडल के मंडलाध्यक्ष साईं मुकेश साध बारात को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। बारात में 28 दूल्हे घोड़ियों पर सवार होकर दुल्हन लेने जाएंगे। संयोजक तुलसी संगतानी ने बताया कि शहर का प्रमुख जिया बैंड सिंधी संगीत की स्वर लहरियां बिखेरता चलेगा। होजमालो की धुन पर बाराती नाचेंगे ,शहर के गणमान्य व्यक्ति भी सम्मिलित होंगे। बारात गीता भवन से बीस दुकान होती गीता भवन पर वापस पहुंचेगी ,जहां पर समिति के पदाधिकारी बारात का स्वागत करेंगे।

भगवान महावीर की 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर

के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

के द्वारा

मुख्य प्रायोजक

R K GROUP
Kishangarh, Rajasthan
www.rkmarble.com | www.wondercement.com

WONDER CEMENT
EK PERFECT SHURUAAT

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

शनिवार, 25 फरवरी 2023

समय : सायं 7.00 बजे से

स्थान : भट्टारक जी की नशियां, नारायण सिंह सर्किल टोंक रोड़, जयपुर

आंमत्रित कविगण

श्री प्रताप फौजदार
(हास्य सम्राट)

श्री बुद्धि प्रकाश दाधीच
(हास्य एवं राज. गीतकार)

श्री शम्भू शिखर
(हास्य पैरोडी सम्राट)

श्री सुनील व्यास मुंबई
(हास्य व्यंग्य)

श्री पी.के.मस्त
(हास्य व्यंग्य)

स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला
(श्रृंगार)

श्री कमलेश जैन 'वसन्त'
(मंच संचालन)

रक्तदान जीवन दान

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये।
चलो रक्तदान करे और करवाये ।।

RK GROUP
WONDER CEMENT

विशाल रक्तदान शिविर आदिनाथ जयंती 16 मार्च से महावीर जयंती 3 अप्रेल तक

भगवान महावीर की 2621 वीं जन्म जंयती के पावन अवसर पर मानव सेवार्थ 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने के विशाल लक्ष्य के साथ विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से मानव सेवार्थ लगभग 40 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किये जायेंगे ।

:: सहयोगी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ::

जयपुर मेंन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वर्धमान, पार्श्वनाथ, तीर्थंकर, ब्लू स्टार, पिंक पर्ल, वात्सल्य, संगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, जनक श्री, स्वस्तिक, विराट, मालपुरा, गंगापुर सिटी, दौसा, सीकर, श्री महावीर जी .....

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक	परामर्शक	समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक
यश कमल - संगीता अजमेरा	दर्शन - विनीता बाकलीवाल	मनीष - शोभना लोंग्या	विनोद - हेमा सोगानी	चक्रेश -पिंकी जैन	राजेश - रानी पाटनी	अनिल - ज्योति जैन चौधरी

संयोजक :: डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, सुनील बज, कैलाश चन्द बिंदायका, मोहनलाल गंगवाल, श्रीमती प्रमिला शाह, सुनील जैन, प्रमोद सोनी, अनिल पाटनी, रवि सेठी, ईजी. पी.सी. छाबड़ा, डॉ. मोहन लाल जैन 'मणी', राजेश चौधरी, श्रीमती बीना टोंग्या, श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका, महावीर बोहरा, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैन

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश बड़जात्या	अनिल जैन IPS	महेन्द्र कुमार पाटनी	सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या	नवीन सेन जैन	यश कमल अजमेरा	अतुल बिलाला	पारस कुमार जैन	निर्मल संघी
अध्यक्ष	संस्थापक अध्यक्ष	वरिष्ठ परामर्शक	परामर्शक	परामर्शक	निवर्तमान अध्यक्ष	पूर्व अध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	महासचिव

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश–समता गोदिका	दिनेश–संगीता गंगवाल	मनीष–शोभना लोंग्या	सुनील–सुनीता गोदिका	चक्रेश–पिंकी जैन	राकेश–रेणु संघी	महेन्द्र–सुनिता कासलीवाल	अनिल–निशा संघी
अध्यक्ष	परामर्शक	कार्याध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव

अनिल–अनिता जैन	राजेश–रितु छाबड़ा	राजेश–रानी पाटनी	प्रदीप–प्राची बाकलीवाल	चेतन–डॉ.अनामिका पाण्डीवाल	कमल–मंजु ढोलिया	राजेन्द्र–कुसुम जैन
कोषाध्यक्ष	संगठन सचिव	संगठन सचिव	संयुक्त सचिव	संयुक्त सचिव	सांस्कृतिक सचिव	खेल सचिव

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल–ज्योति चौधरी * डॉ अनुपम–विनीता जैन * सपन–रजनी छाबड़ा * नितेश–मीनू पाण्ड्या * विशेष आमंत्रित : अशोक–अर्चना पाटनी * अशोक सेठी

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249

दिगंबर जैन महासमिति मानसरोवर संभाग ने जरूरतमंदो को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति मानसरोवर संभाग ने एस एम एस हॉस्पिटल, जयपुर में 300 से अधिक गरीब, असहाय एवं मरीजों व उनके परिजनों को भोजन करवाया। अध्यक्ष राजेंद्र साह ने बताया कि इस अवसर पर महासमिति राजस्थान अंचल के महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल, संभाग के मंत्री सोभागमल जैन, श्रीमती ललिता जैन, श्रीमती आशा साह के अलावा संभाग के पदाधिकारीयों ने इस परोपकारी काम में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर सभी ने श्रीमती आशा साह के जन्म दिवस पर उनको बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का गाजेबाजे के साथ निवाई से हुआ मंगल विहार

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का मंगल विहार श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर से अतिशय क्षेत्र बिजोलिया के लिए गाजेबाजे के साथ हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि आर्यिका माताजी ससंघ ने जैन अग्रवाल मंदिर से विहार किया। आर्यिका माताजी शनिवार को अग्रवाल जैन मंदिर से विहार कर झिलाय रोड अहिंसा सर्किल बस स्टैंड वैयरहाउस होते हुए बरोनी पहुंचे जहाँ श्रद्धालुओं ने आर्यिका माताजी की अगुवानी की। जौंला ने बताया कि संघ की सभी आर्यिकाओ ने बरुणी पहुंचकर स्वाध्याय प्रतिक्रमण किया। बरुणी मे गुरुभक्तों ने आर्यिका माताजी की गुरुभक्ति कर आरती की। विमल जौंला व सुनील भाणजा ने बताया कि विहार मे जिसमें अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। माताजी के विहार में श्रद्धालुओं ने जगह जगह पाद प्रक्षालन करके सत्कार किया गया। बरुणी से रविवार को सुबह विहार कर गाँव सोहेला जाएंगे। सोहेला से आहार चर्या के पश्चात टोंक पहुचेंगे। जौंला ने बताया कि जैन समाज के द्वारा आर्यिका माताजी संघ का निवाई मे 2022 का चातुर्मास के पश्चात प्रथम बार विहार हुआ जो निवाई से बिजोलिया अतिशय क्षेत्र के दर्शनार्थ पहुचेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com